दानिय्येल: द्वार 2

क्यों परमेश्वर ने बेबीलोन को उस समय की सबसे महान और शक्तिशाली राष्ट्र बना दिया और संसार की सभी राजशाही पर शासन करने की अनुमति दी? यहां तक कि उसने अपने चुने हुए लोगों, इस्राएल को भी बंदी बना कर ले जाने दिया, और शहर तथा परमेश्वर के मंदिर को नष्ट होने दिया। परमेश्वर ने ऐसा इसलिए किया ताकि यह दिखाया जा सके कि भले ही यह शहर अत्यंत महान था, परंतु एक दिन, परमेश्वर के समय पर, यह गिर जाएगा और झाड़ियों और वन्य जीवों का निवास बन जाएगा। उसी प्रकार आज का आध्यात्मिक बेबीलोन भी गिर जाएगा। जैसा कि प्रकाशितवाक्य 18 में कहा गया है, यह गिरकर सब लोगों के दुःख का कारण बनेगा।

कुछ वर्ष पहले ही परमेश्वर ने उस राष्ट्र के शासकों को चेतावनी देना शुरू कर दिया था। इसलिए हम देखते हैं कि उनके द्वारा देखे गए सपने और दृष्टियां उन्हें बहुत परेशान कर देती थीं, क्योंकि वे जानते थे कि ये उनके और उनके शासन से संबंधित हैं। और सबसे बुरा यह था कि ये दृष्टियां कैसे उनके अंत की ओर इशारा करती थीं।

इस द्वितीय अध्याय में हम पढ़ते हैं कि राजा नबूकदनेज़र ने एक सपना देखा, जो उन्हें बहुत दुखी कर गया। उन्होंने अपने प्रवीदकों, जादूगरों और बुद्धिमानों को बुलाया ताकि वे उसका अर्थ बताएं। परंतु उनमें से कोई भी इसे समझ नहीं सका। सभी ने माना कि केवल परमेश्वर ही मनुष्य के हृदय और विचारों को जान

सकते हैं।

इब्रानियों 4:12-13
“क्योंकि परमेश्वर का वचन जीवित और शक्तिशाली है, और किसी
भी दोधारी तलवार से अधिक तीक्ष्ण है; यह आत्मा और आत्मा के
भीतर अंगों और मज्जा को अलग कर सकता है, और हृदय के विचारों
और उद्देश्य को भली भाँति समझ सकता है। कोई भी प्राणी उसके सामने अप्रकट नहीं है, सब कुछ नग्न और प्रकट है उसकी दृष्टि में, जिससे परमेश्वर की दृष्टि में हमारे सभी काम प्रकट
हैं।”

राजा ने जब देखा कि कोई भी उनके सपने की व्याख्या नहीं कर सकता, तो उन्होंने बेबीलोन के सभी बुद्धिमानों और प्रवीदकों को मारने का निर्णय लिया। लेकिन परमेश्वर ने दानिय्येल और उसके साथियों को उस सपने की व्याख्या करने की कृपा दी।

दानिय्येल 2:26-49
(सारांश में)
दानिय्येल ने राजा को बताया कि उनके सपने में जो बड़ी मूर्ति दिखाई दी, उसका सिर सोने का है, छाती और बाहें चांदी की हैं, पेट और कूल्हे ताँबे के हैं, पैर लोहे और मिट्टी के मिश्रण से बने हैं। एक पत्थर, जो किसी इंसानी हाथ से तराशा नहीं गया था, मूर्ति

के पैरों को तोड़कर सारी दुनिया को भर देता है। यह पत्थर परमेश्वर के राज्य का प्रतीक है, जो कभी नष्ट नहीं होगा और सारी राजशाहियों को समाप्त कर देगा।

सोने का सिर बेबीलोन का प्रतीक है (605-539 ई.पू.)।

चांदी की छाती और बाहें मेडी और फारसी साम्राज्य का प्रतीक हैं (539-331 ई.पू.)।

तांबे का पेट और कूल्हे ग्रीक साम्राज्य का प्रतीक हैं (331-168 ई.पू.)।

लोहे के पैर और मिट्टी का मिश्रण रोमन साम्राज्य का प्रतीक हैं, जो बाद में धर्म के माध्यम से ईश्वर के लोगों के बीच मिश्रित हो गया।

1 पतरस 2:9
“परंतु आप चुने हुए हैं, राजा का पुरोहित, पवित्र राष्ट्र, परमेश्वर की अपनी संपत्ति, ताकि आप उसके महिमा के कामों की घोषणा करें, जिसने आपको अंधकार से बुलाकर अपनी अद्भुत रोशनी में लाया।”

यह मिट्टी ईश्वर के लोगों का प्रतीक है। जब रोमन धर्म (कथोलिक) और सत्य शिक्षा को मिलाया गया, तब लोग आध्यात्मिक रूप से मिश्रित हो गए। इस प्रकार आज के दिन, यदि किसी से पूछा जाए कि आप कौन हैं, तो वह कहेगा कि मैं ईसाई हूँ और रोम का नागरिक भी।

प्रकाशितवाक्य 18:4
“फिर मैंने स्वर्ग से एक और आवाज सुनी, कह रही थी, ‘मेरा लोग, उससे बाहर निकलो, उसकी पापों में भाग न लो, और उसके प्रकोप को
न स्वीकार करो। क्योंकि उसके पाप आकाश तक पहुंच गए हैं, और परमेश्वर ने उसकी अन्याय को याद किया है।’”

राजा की मूर्ति को मारने वाला पत्थर हमारे प्रभु यीशु मसीह का प्रतीक है। वही सभी भ्रष्ट साम्राज्यों को समाप्त करेंगे और स्थायी परमेश्वर के राज्य की स्थापना करेंगे।

दानिय्येल 2:44
“और उन राजाओं के दिनों में, स्वर्ग का परमेश्वर एक राज्य स्थिर करेगा, जो कभी नष्ट न होगा; और उसके लोग कभी उसका
अधिकार नहीं छोड़ेंगे। वह सभी राज्यों को तोड़ देगा और नष्ट कर देगा, परंतु स्वयं सदैव स्थिर रहेगा।”

प्रकाशितवाक्य 3:14-20
(सारांश में)
प्रभु हमें शुद्ध, दुल्हन की तरह बनने के लिए बुलाते हैं, जो अपने जीवन को पवित्र बनाकर और झूठी शिक्षाओं से दूर रहकर उसके आने के लिए तैयार हैं।

इब्रानियों 12:14
“सदैव सभी के साथ शांति बनाए रखने और पवित्रता प्राप्त करने का प्रयास करो; क्योंकि कोई भी परमेश्वर को नहीं देख पाएगा यदि वह इसके बिना हो।”

इस प्रकार प्रभु यीशु मसीह, जो राजा का राजा और प्रभु का प्रभु है, अंतिम पत्थर हैं, जो सभी भ्रष्ट साम्राज्यों को समाप्त करेंगे और स्थायी, शाश्वत राज्य की स्थापना करेंगे।

Share on:
WhatsApp